थारे शीश पे मुकट विराजे जा में मोरपंख है साजे

थारे शीश पे मुकट विराजे जा में मोरपंख है साजे ,
हो वे सुध बुध सखियाँ सारी जद जद मुरली थारी बाजे,
नैना सु वान चलावे भगता ने लाज बचावे माहरो सांवरियो,

थारे गल मोतियन की माला ओ मोहन मुरली वाला
थारा घुंगर वाला वाल उलझा उलझा काला काला,
नैना सु वान चलावे भगता ने लाज बचावे माहरो सांवरियो,

बोले गाथा प्यारी प्यारी माहरो सांवरियो गिरधारी,
मधुवन में रास रचावे नाचे सागे राधा प्यारी,
नैना सु वान चलावे भगता ने लाज बचावे माहरो सांवरियो,

बांकी चाल छाले मस्तनी आके बई दुनिया दीवानी ,
जोगन बन गई मीरा रानी साँची प्रीत ने खिचाने,
नैना सु वान चलावे भगता ने लाज बचावे माहरो सांवरियो,

कदे चीर सबा में बढ़ावे कदे लेके महरिओ आवे,
ना निभाए दे चुनी उड़ावे खेती धना की उपजावे,
नैना सु वान चलावे भगता ने लाज बचावे माहरो सांवरियो,

Source:
https://www.bharattemples.com/thaare-shesh-pe-mukat-viraaje-ja-me-morpankh-h

ai-saje/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw